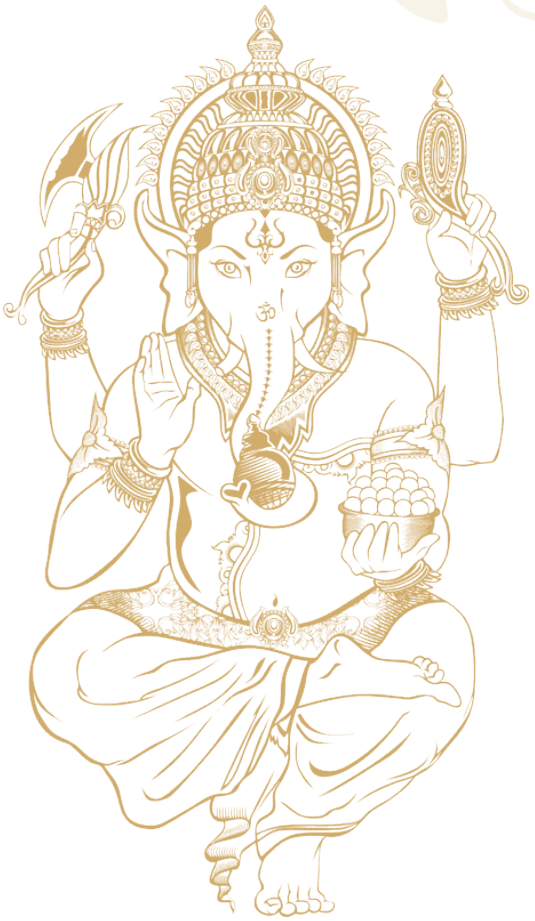

Mr.vikash Kumar Singh

03 Sep 1982

12:10 AM

Raghunathpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121598902

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**2-03/09/1982**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**00:10:00 घंटे**
इष्ट	47:07:48 घटी
स्थान	**Raghunathpur**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:40:00 उत्तर
रेखांश	87:55:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:21:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:31:40 घंटे
वेलान्तर	00:00:10 घंटे
साम्पातिक काल	23:18:01 घंटे
सूर्योदय	05:18:52 घंटे
सूर्यास्त	17:56:57 घंटे
दिनमान	12:38:05 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	16:20:50 सिंह
लग्न के अंश	07:47:07 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	सुकर्मा
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गो-गोपाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	07:47:07	329:09:30	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	---
सूर्य			सिंह	16:20:50	00:58:05	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	मूलत्रिकोण
चंद्र			कुंभ	07:41:23	12:32:53	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
मंगल			तुला	24:53:36	00:38:52	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
बुध			कन्या	13:06:16	01:05:45	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	उच्च राशि
गुरु			तुला	12:48:52	00:09:44	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	00:04:09	01:13:56	मघा	1	10	सूर्य	केतु	केतु	शत्रु राशि
शनि			कन्या	26:14:36	00:06:09	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	गुरु	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	18:13:15	00:08:27	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	उच्च राशि
केतु	व		धनु	18:13:15	00:08:27	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	उच्च राशि
हर्ष			वृश्चि	07:13:16	00:01:15	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	---
नेप	व		धनु	00:39:57	00:00:06	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
प्लूटो			तुला	01:29:04	00:01:50	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	---
दशम भाव			कुंभ	24:57:57	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:36:38

लग्न-चलित

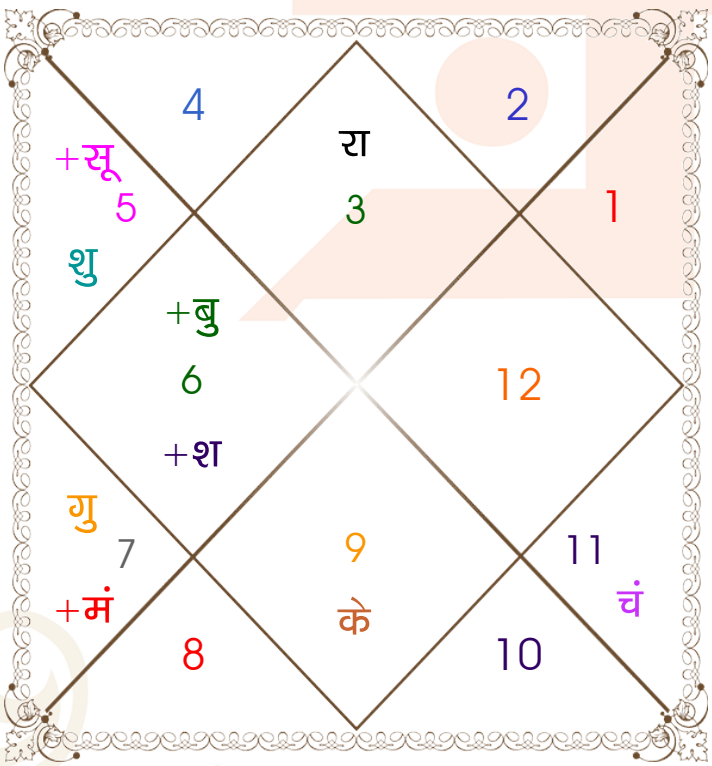

चन्द्र कुंडली

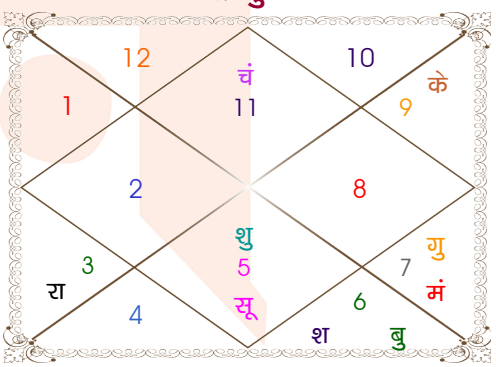

नवमांश कुंडली

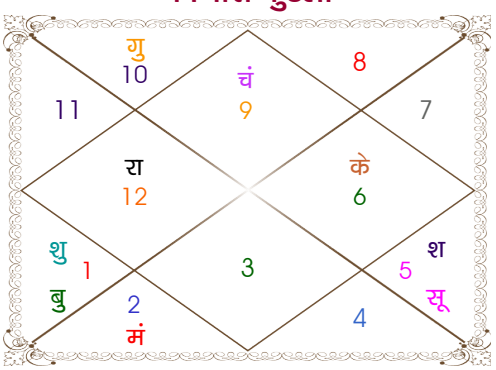

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 16 वर्ष 7 मास 13 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
03/09/1982		17/04/1999		17/04/2015		16/04/2034		17/04/2051	
17/04/1999		17/04/2015		16/04/2034		17/04/2051		16/04/2058	
राहु	28/12/1983	गुरु	04/06/2001	शनि	19/04/2018	बुध	12/09/2036	केतु	13/09/2051
गुरु	23/05/1986	शनि	16/12/2003	बुध	28/12/2020	केतु	09/09/2037	शुक्र	12/11/2052
शनि	29/03/1989	बुध	23/03/2006	केतु	05/02/2022	शुक्र	10/07/2040	सूर्य	20/03/2053
बुध	16/10/1991	केतु	27/02/2007	शुक्र	07/04/2025	सूर्य	17/05/2041	चंद्र	19/10/2053
केतु	03/11/1992	शुक्र	28/10/2009	सूर्य	20/03/2026	चंद्र	16/10/2042	मंगल	17/03/2054
शुक्र	03/11/1995	सूर्य	16/08/2010	चंद्र	19/10/2027	मंगल	13/10/2043	राहु	04/04/2055
सूर्य	27/09/1996	चंद्र	16/12/2011	मंगल	27/11/2028	राहु	02/05/2046	गुरु	10/03/2056
चंद्र	29/03/1998	मंगल	21/11/2012	राहु	04/10/2031	गुरु	06/08/2048	शनि	19/04/2057
मंगल	17/04/1999	राहु	17/04/2015	गुरु	16/04/2034	शनि	17/04/2051	बुध	16/04/2058

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
16/04/2058		16/04/2078		16/04/2084		16/04/2094		17/04/2101	
16/04/2078		16/04/2084		16/04/2094		17/04/2101		00/00/0000	
शुक्र	16/08/2061	सूर्य	04/08/2078	चंद्र	14/02/2085	मंगल	12/09/2094	राहु	04/09/2102
सूर्य	16/08/2062	चंद्र	03/02/2079	मंगल	15/09/2085	राहु	01/10/2095		00/00/0000
चंद्र	16/04/2064	मंगल	10/06/2079	राहु	17/03/2087	गुरु	06/09/2096		00/00/0000
मंगल	16/06/2065	राहु	04/05/2080	गुरु	16/07/2088	शनि	16/10/2097		00/00/0000
राहु	16/06/2068	गुरु	20/02/2081	शनि	14/02/2090	बुध	13/10/2098		00/00/0000
गुरु	15/02/2071	शनि	02/02/2082	बुध	17/07/2091	केतु	11/03/2099		00/00/0000
शनि	16/04/2074	बुध	10/12/2082	केतु	15/02/2092	शुक्र	11/05/2100		00/00/0000
बुध	14/02/2077	केतु	17/04/2083	शुक्र	16/10/2093	सूर्य	16/09/2100		00/00/0000
केतु	16/04/2078	शुक्र	16/04/2084	सूर्य	16/04/2094	चंद्र	17/04/2101		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 16 वर्ष 7 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ धनु का नवमांश एवं मिथुन राशि का ही द्रेष्काण भी उदित हो रहा था। मिथुन लग्न की आकृति के फलस्वरूप यह प्रभाव स्पष्ट है कि आपका जीवन पूर्ण रूपेण उत्थान-पतन से युक्त तथा बार-बार उत्थान पतन का कारक भी है। यदि आप सतर्क नही रहे तो सदैव ही उच्चता एवं नीचता का वातावरण बनता रहेगा तथा आपको अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए तथा विपत्ति अर्थात् दीनता से संघर्ष करने की सभी संभावनाएं क्षीण हो जाएगी। आपको अपने प्रारंभिक जीवन की शुरूआत के साथ ही सतर्कता पूर्वक संबंधित व्यवधानों की रोकथाम की प्रक्रिया भी प्रारंभ करना होगा। लग्न नवमांश के प्रभाव से आपके जीवन में उत्तमता हेतु आशा किरण का उदय आपकी आयु के पचीसवें वर्ष में दृष्टिगत होता है। आप अपनी हठधर्मिता को त्याग कर धैर्य पूर्वक समय की प्रतीक्षा करें। वास्तव में व्यक्तिगत रूप से आपकी कुशाग्रता और आपको अपने आत्मज्ञान के माध्यम से जीवन की दूरी तय करनी चाहिए। यदि आप अपने किसी भी एक चयनित रास्ते पर साहस और एकाग्रता पूर्वक चलते रहे तों सर्वोच्च पद पर पहुंचेगे। आपके लिए पत्रकारिता, लेखन कला, साथ ही कलात्मक कार्य व्यवसाय से आप लाभ प्राप्त करेंगे।

परंतु आपकी ऐसी आदत है कि आप अनिश्चित बाधाओं के प्रति बहुधा सशंकित रहते हैं तथा प्रायः अनिश्चित स्थिति में अर्थात् दुविधापूर्ण वातावरण से आप घिर जाते हैं। आप एक लुढकते हुए पत्थर के समान अपना आचरण रख कर, निश्चित लाभांश प्राप्त करने में असफल रह जाते हैं। आपकी अनुदारता के कारण आपकी चाह रहती है कि संक्षिप्त प्रकार से निर्दिष्ट विषय पर पॉलिस करके मानक विधान को स्वीकार कर, विजय श्री प्राप्त करें।

आप भाग्य की कृपा से किसी एक कार्य को संपादित कर अन्य कार्य का उत्तरदायित्व ग्रहण कर सकते हैं। परंतु आप में एकाग्रता का अभाव विद्यमान है। दिक्कत यह है कि आप इस अभाव को केंद्रीकरण करने के पश्चात् ही किसी भी उत्तरदायीत्व को ग्रहण कर बिना कार्य पूर्ण किए ही अन्य कार्यों को संपादन करने का अवसर अपने हाथ में ले लेते हैं।

अति महत्वाकांक्षा के प्रभाव से आप ऐसा कार्य संचालित कर लेते हैं। क्योंकि आप चमत्कारिक ढंग से धन प्राप्त कर धनी बन जाना चाहते हैं। आपको अपनी आय बढ़ाने की पवृत्ति ऐसी है कि आप यदा-कदा एक ही साथ दो स्थानों पर एक ही समय कोई कार्य प्रारंभ कर, लाभ उपार्जित करने का प्रयास करते हैं। परंतु यह आकस्मिक स्थिति मात्र कुछ समय तक ही प्रभावित रहती है।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप जन सामान्य के साथ तथा इनके द्वारा लोकप्रियता प्राप्त करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाते। आपको एकाग्रतापूर्वक अपने मित्र मंडली में बदलाव लाना होगा। ये लोग आपको सामान्य तरंगित भावनाओं को समझ पाना दुष्कर समझते हैं। अर्थात आप कैसे व्यक्ति हो उनके लिए समझ पाना उतना आसान नही हैं। आप में यह रहस्यमयी शक्ति विद्यमान है कि आप अन्य

किसी की भावनाओं को पूर्ण रूपेण समझ लेते हैं, तथा उसके बाद अपने ढंग से उसको प्रदर्शित करते हैं। आपका स्वभाव निःसंदेह ऐसा है कि आप आश्चर्यजनक प्रभाव से दूसरों को प्रभावित करते हैं। परंतु आप वातावरण को अनुकूल बनाने में अक्षम रहते हैं।

आपको जब कोई भी जीवन की उन्नति के अन्य मार्ग दृष्टिगत नही होते तब आप अपनी क्षमता के अनुरूप अपने धन को लाभजनक कार्य में लगा देते हैं। निम्नांकित बिन्दुओं पर विधानतः तदनुसार आचरण करना चाहिए जो कि आपकी लापरवाही के विरुद्ध जीवन के महत्वपूर्ण सांकेतिक शब्द हैं।

आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण रंग पीला, हरा, ब्लू एवं मोतिया एवं गुलाबी रंग हैं। परंतु हर दशा में रंग काला एवं लाल सर्वथा त्याज्य है।

इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक का व्यवहार सर्वथा प्रतिकूल है। जबकि अंक 7 एवं 3 अंक आपके लिए वास्तव में अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।